नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

अब तो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज खुलना ही चाहिए

हॉर्मुज जल डमरूमध्य सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है और यही कारण है कि इसका बंद होना दुनिया के लिए खतरे की घंटी बन जाता है. मौजूदा हालात में ऽस्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज खुलना चाहिएऽ कोई राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि आर्थिक अनिवार्यता है.

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान द्वारा इस जलमार्ग को दोबारा बंद करने की खबरों ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है. हॉर्मुज जल डमरू मध्य से दुनिया के कुल तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है. सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का निर्यात इसी मार्ग पर निर्भर है. ऐसे में यदि यह रास्ता बाधित होता है, तो इसका सीधा असर न केवल तेल की कीमतों पर पड़ता है, बल्कि पूरी वैश्विक सप्लाई चेन पर झटका लगता है.

आज की दुनिया ऊर्जा-निर्भर अर्थव्यवस्था है. तेल और गैस की कीमतों में उछाल का मतलब है, महंगाई, उत्पादन लागत में वृद्धि और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ. भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि वे अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं.

हॉर्मुज के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडराने लगता है, जिससे आर्थिक विकास की रफ्तार प्रभावित हो सकती है. इसके अलावा, यह संकट केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है. वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होता है और हॉर्मुज एक महत्वपूर्ण 'चोक पॉइंट' है. जब यहां जहाजों की आवाजाही रुकती है, तो बीमा लागत बढ़ जाती है, शिपिंग कंपनियां वैकल्पिक और लंबे मार्ग अपनाने लगती हैं, जिससे समय और लागत दोनों में वृद्धि होती है. इसका असर अंततः वैश्विक व्यापार और उपभोक्ता बाजारों पर पड़ता है. खाड़ी युद्ध ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है.

हालांकि युद्धविराम की कोशिशें हुई हैं, लेकिन विश्वास की कमी और रणनीतिक हितों के टकराव ने समाधान को दूर कर दिया है. ईरान का यह कदम, भले ही उसकी संप्रभुता और प्रतिबंधों के खिलाफ विरोध के रूप में देखा जाए, लेकिन इसका वैश्विक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक और चिंताजनक है. यह भी समझना होगा कि हॉर्मुज का सैन्यीकरण किसी के हित में नहीं है. यदि यह संकट और गहराता है, तो यह केवल क्षेत्रीय युद्ध नहीं रहेगा, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक संकट का रूप ले सकता है. इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र, जी -20 और प्रमुख शक्तियों को तत्काल हस्तक्षेप कर कूटनीतिक समाधान तलाशना होगा. भारत जैसे देशों की भूमिका यहां महत्वपूर्ण हो सकती है. एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में भारत को संतुलित कूटनीति अपनाते हुए शांति और स्थिरता के प्रयासों को समर्थन देना चाहिए. साथ ही, ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण और रणनीतिक भंडारण पर भी ध्यान देना होगा, ताकि ऐसे संकटों का असर कम किया जा सके.

कुल मिलाकर, हॉर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना केवल व्यापारिक सुविधा का मामला नहीं है, बल्कि वैश्विक स्थिरता और समृद्धि की शर्त है. यदि यह मार्ग बंद रहता है, तो दुनिया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. इसलिए यह समय है कि टकराव की राजनीति से ऊपर उठकर सहयोग और संवाद का रास्ता अपनाया जाए, क्योंकि हॉर्मुज का खुला रहना, दुनिया के भविष्य के लिए अनिवार्य है.

शस्त्र और शास्त्र के अद्भुत संगम भगवान परशुराम

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जिनका सादर नमन करते हों, उन शस्त्रधारी और शास्त्रज्ञ भगवान परशुराम की महिमा का वर्णन शब्दों की सीमा में संभव नहीं. वे योग, वेद और नीति में निष्णात थे, तंत्रकर्म तथा ब्रह्मास्त्र समेत विभिन्न दिव्यास्त्रों के संचालन में भी पारंगत थे, यानी जीवन और अध्यात्म की हर विधा के महारथी है. भगवान परशुराम साक्षात वेदमूर्ति भगवान विष्णु हैं तथा साक्षात् रुद्ररूप हैं और अपने भक्तों के कल्याणार्थ महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं. वह शस्त्र एवं शास्त्र ज्ञान के ज्ञाता है. कल्याणार्थ एवं धर्म संस्थापना के उद्देश्य से भगवान नारायण के छठे अवतार के रूप में समस्त सनातन जगत के आराध्य भगवान परशुराम जी का अवतरण वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को हुआ जिसे हम अक्षय तृतीया भी कहते हैं.

> भगवान परशुराम ब्राह्मण कुल में जन्मे (ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र) थे, लेकिन उनमें क्षत्रिय गुण भी थे. यह द्वैत दर्शाता है कि धर्म की रक्षा के लिए केवल वंश नहीं, बल्कि कर्तव्य आवश्यक है. परशुराम को चिरंजीवी माना गया है—वे अभी भी जीवित हैं. यह रहस्य दर्शाता है कि धर्मरक्षक सदा जीवित रहते हैं जब तक संसार में धर्म की आवश्यकता है. उन्होंने दत्तात्रेय से शस्त्र और धर्म का ज्ञान प्राप्त किया था. परशुराम का जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ था, लेकिन उन्होंने शस्त्र विद्या में भी निपुणता प्राप्त की. यह दर्शाता है कि धर्म की रक्षा के लिए केवल ब्राह्मण या क्षत्रिय होना आवश्यक नहीं, बल्कि कर्तव्य और साहस भी महत्वपूर्ण हैं. परशुरामोऽखिलं भूमण्डलं क्षत्रिय-हीनं कृत्वा महेन्द्रपर्वतं गतोऽभवत्. भागवत पुराण (9.16.18) परशुराम ने यह सिद्ध किया कि ब्राह्मण का कर्तव्य केवल यज्ञ और तपस्या तक सीमित नहीं है, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाना भी आवश्यक है. उन्होंने यह दिखाया कि धर्म की रक्षा के लिए समय-समय पर कठोर कदम उठाने की आवश्यकता होती है. जब क्षत्रिय अपने कर्तव्यों से विमुख होते हैं, तो उनका संहार आवश्यक हो जाता है. यह संदेश देता है कि कोई भी वर्ग यदि अपने कर्तव्यों से विमुख होता है, तो उसे दंडित किया जाता है.

सहस्त्रबाहू कार्तवीर्य अर्जुन ने अनेकों प्रकार की सेवा-शुश्रषा कर भगवान नारायण के अंशावतार दत्तात्रेय को प्रसन्न कर उनसे एक हजार भुजाएं तथा युद्ध में अपराजेय रहने का वरदान प्राप्त कर लिया. भगवान परशुराम का अवतार केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य, और न्याय के गूढ़ संदेशों का प्रतीक है. उनका जीवन यह सिखाता है कि धर्म की रक्षा के लिए साहस, कर्तव्य, और समय-समय पर कठोर कदम उठाने की आवश्यकता होती है. उनका चिरंजीवी होना यह दर्शाता है कि जब तक पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार रहेगा, तब तक धर्म की रक्षा के लिए भगवान परशुराम का अस्तित्व बना रहेगा. वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया पर परशुराम जी का जन्म हुआ था. इस पावन दिन को अक्षय तृतीया भी कहते हैं. त्रेतायुग में अक्षय तृतीया के दिन जन्म लेने के कारण परशुराम जी की शक्ति भी अक्षय थी. कहते हैं इस दिन किया गया दान पुण्य कभी क्षय नहीं होता.

रामायण, महाभारत, भागवत पुराण, कल्कि पुराण सहित कई ग्रंथों में भगवान परशुराम अवतार की कथा का वर्णन किया गया है. भगवान विष्णु के 10 अवतारों में छठा अवतार कहे जाने वाले भगवान परशुराम को विष्णु जी का आवेशावतार भी कहा जाता है. परशुराम जी को भगवान विष्णु व शिव का संयुक्त अवतार माना जाता है, क्योंकि शिव जी से उन्होंने संहार लिया तो विष्णु जी से उन्होंने पालक के गुण प्राप्त किए. उनके अवतार का उद्देश्य पृथ्वी से पाप का अंत करना है. परशुराम के जन्म का मुख्य उद्देश्य दिशाहीन शासन तंत्र का शोधन और उदंड शासक को दंडित करना था. भगवान परशुराम के अवतार के पूर्व धरती पर अत्याचारी राजाओं का बोलबाला था जो अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे थे. प्रजा पर अत्याचार कर रहे थे. धरती पर बहुत सारे दुष्ट राजाओं की अधिकता थी ऐसे ही दुष्ट, अहंकारी, अत्याचारी राजाओं से मुक्ति दिलाने का कार्य परशुराम जी ने किया. एक भी निर्दोष, सात्विक, सनातनी क्षत्रियों का अहित इनके द्वारा नहीं किया गया. बहुत सी किवदंतिया और भ्रांतियां फैलाई जाती है जिसका कोई आधार नहीं है. भगवान परशुराम का जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ था, फिर भी उनमें क्षत्रिय संस्कार विद्यमान था. वीरता, आक्रामकता, युद्ध कौशल और कुशल सेनापतियों के गुण उनमें विद्यमान थे. भगवान परशुराम का अवतरण उस समय हुआ जब पृथ्वी पर अत्याचार और अधर्म का बोलबाला था. विशेष रूप से, क्षत्रिय वर्ग के राजाओं ने अपने कर्तव्यों से विमुख होकर अत्याचार और भ्रष्टाचार फैलाया था.

भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में अवतार लेकर इन अत्याचारी क्षत्रियों का संहार किया और धर्म की पुन:स्थापना की. उनका अवतरण विशेष रूप से अधर्म और अत्याचार के विनाश तथा धर्म की पुन: स्थापना के लिए हुआ था. उस समय के क्षत्रिय राजाओं ने अधर्म और अत्याचार का मार्ग अपना लिया था. एकदा पितरं हत्वा क्षत्रियै: क्रोधितो मुनि:. एकविंशतिवारं च पृथ्वीं क्षत्रियवर्जिताम्॥ (महाभारत, वनपर्व अध्याय 116) परशुराम का उद्देश्य धर्म की रक्षा के साथ ब्राह्मणों व संतों की रक्षा करना था.

विंध्य की डायरी

राजनीतिक नियुक्तियों पर टिकी विंध्य की निगाहें

डॉ. रवि तिवारी

प्रदेश में निगम-मंडलो एवं प्राधिकरण में होने वाली नियुक्तियों का इंतजार बढ़ता जा रहा है. राजनीतिक नियुक्तियों का मामला फिलहाल फिर टलता नजर आ रहा है. शुक्रवार को हुई बैठक में इस बात के संकेत दिये गये है कि फिलहाल निगम, मंडल और प्राधिकरणों के अध्यक्षों के नाम की घोषणा अभी नही होगी. साथ ही उपाध्यक्ष और सदस्यों के नाम भी एक साथ जारी किये जाएगे. ताकि किसी तरह के विवाद की स्थित निर्मित न हो. विंध्य की निगाहें राजनीतिक नियुक्तियों पर टिकी हुई है, विंध्य से भी किसी को मौका मिलेगा या फिर से विंध्य की उपेक्षा की जाएगी ? विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष को लेकर कई नेता पूरी ताकत लगाए हुए हैं. लम्बे समय से वनवास काट रहे नेताओं को उम्मीद है कि उन्हे मौका मिलेगा और अध्यक्ष का ताज उनके सिर होगा. राजनीतिक नियुक्तियों की चाहत रखने वाले विंध्य क्षेत्र के नेता सत्ता-संगठन के बीच गणेश परिक्रमा लम्बे समय से कर रहे है. जिसमें कई चर्चित चेहरे भी शामिल है. चर्चा है कि नामों की सूची दिल्ली जा चुकी है बस घोषणा बाकी है, हालाकि इसमें समय भी लग सकता है. लंबे समय से चल रही कवायद अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है. सत्ता और संगठन के बीच अधिकांश नामो पर सहमति बना ली गई है. केन्द्रीय नेतृत्व की भी मंजूरी मिल चुकी है. सूची कब बाहर आएगी यह तो भविष्य के गर्त में है.

नेताजी का अश्लील वीडियो वायरल

हनुमना के पूर्व जनपद उपाध्यक्ष का एक अश्लील वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें नेताजी एक युवती के साथ कमरे में आपत्तिजनक हालत में नजर आ रहे है. कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा का बाजार गर्म हो गया है. पूरे मामले को हनीट्रैप से भी जोड़ कर देखा जा रहा है. कांग्रेस के प्रवक्ता ने संबंधित नेताजी को मऊगंज के मौजूदा विधायक का करीबी बताते हुए सवाल भी खड़े किये. उधर संबंधित नेता की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नही आई है. वीडियो पोस्ट करने के बाद हटाई भी गई है. फिलहाल पुलिस कथित वीडियो को लेकर जांच कर रही है.

मैं अधिकारी नहीं, नौकर हूं आप लोगों का

कलेक्टर की कुर्सी में बैठने के बाद कई अधिकारी खुद को जनता से ऊपर मानने लगते है. भोली-भाली जनता से मिलना तो दूर उनके तरफ देखते तक नही है पर ऐसे भी कलेक्टर होते है जो सादगी और अपनी विनम्र शैली से जनता के दिलो में जगह बना लेते है. सीधी के नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा की सादगी और संवेदनशील कार्यप्रणाली को लेकर जिले से लेकर प्रदेश भर में चर्चा हो रही है. ग्रामीण क्षेत्रों का दौर कर ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर सीधे जनसुनवाई कर रहे हैं और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगा रहे हैं. दरअसल शनिवार को मझौली जनपद पंचायत के ग्राम नेबूहा में जन समस्या समाधान शिविर लगा था. जहा बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी समस्या लेकर पहुंची. शिकायत सुनने के दौरान महिला के सामने हाथ जोड़ते हुए कलेक्टर साहब ने कहा बहनों मैं कोई अधिकारी नही हूं मैं तो आपका नौकर हूं मालिक आप लोग है. कलेक्टर के यह शब्द सुन लोगो के चेहरे में मुस्कुराहट आ गई. शायद सीधी में इस तरह विनम्र और संवेदनशील कलेक्टर पहली बार देखने को मिल रहे है.

नासिक प्रकरण से जनविश्वास को आघात

टाटा कन्सल्टंसी सर्विसेज के नासिक कार्यालय में जो हुआ, उसने कारपोरेट के प्रति जनता के विश्वास को हिलाकर रख दिया. महिला कर्मचारियों की शिकायतों तथा पुलिस की जांच से यह बात सामने आई है कि कंपनी में महिला कर्मियों के साथ पिछले 4 वर्षों से शारीरिक व मानसिक तौर पर दुर्व्यवहार किया जाता रहा. आंतरिक शिकायतों को यह कहकर नजरअंदाज किया गया कि मल्टीनेशनल कंपनियों में ऐसा होना सामान्य बात है. शिकायत आने के बाद पुलिस और सबूत जुटाने में लग गई. इसके लिए कुछ कंप्यूटर की जानकार व सुशिक्षित महिला पुलिस कर्मी इस कंपनी में विधिवत भर्ती हो गईं ताकि वहां हो रही यौन प्रताड़ना के दावों के बारे में पता लगा सकें. इसके बाद विशेष जांच दल का गठन किया गया तथा अब तक एचआर प्रमुख सहित 9 संदिग्ध लोग गिरफ्तार किए गए. 8 महिला कर्मचारियों ने उनका जबरन धर्मांतरण करने का आरोप भी लगाया. इससे सवाल उठता है कि क्या वैश्विक स्तर के संगठन में भी महिला कर्मी सुरक्षित नहीं हैं? यदि कार्यप्रणाली और माहौल सही नहीं है और शिकायतों को अनसुना किया जाता है तो कानून कैसे कर्मचारियों की सुरक्षा करेगा? किसी संगठन में एचआर का दायित्व रहता है कि अनुशासन के साथ कार्यस्थल में अनुकूलता बनाए रखे तथा पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए कर्मचारियों की शिकायत पर गौर करे. यदि महिलाकर्मी चुप रहीं तो स्पष्ट है कि एचआर उनके मन में विश्वास पैदा करने में विफल रहे. बड़ी कंपनियों में प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुनियोजित होनी चाहिए तथा किसी भी शिकायत के प्रति गंभीरता बरती जानी चाहिए. समय-समय पर सर्वे कर दिक्कतों को जानना जरूरी होता है. कार्यस्थल का माहौल सुरक्षित रहना चाहिए तभी कंपनी की साख बनी रहती है.

केवल नीति निर्धारण पर्याप्त नहीं है, खुली आंखों से व्यवस्था देखनी भी चाहिए. ऐसा माहौल हो जिसमें कर्मचारी खुलकर निर्भीकता से अपनी शिकायत पेश कर सके. ऊपर से नीचे तक कार्यस्थल में सीसीटीवी से निगरानी रहे तो पता चल सकता है कि दोषी कौन है. महिला कर्मियों की सुरक्षा सर्वोपरि है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

बीजेपी का विस्तार हुआ विराट, लोकतंत्र में ले आए सम्राट

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमारे लोकतंत्र में सम्राट कैसे बिहार के सीएम बन गए? आपको याद होगा कि लौहपुरुष सरदार पटेल ने सारे राजे-रजवाडों को राजी करके या दबाव डालकर सामान्य नागरिक बना दिया था. इसके बाद इंदिरा गांधी ने राजाओं को मिलनेवाला प्रिवीपर्स भी बंद करवाया था.'

हमने कहा, 'सम्राट शब्द पर आपको आपत्ति नहीं होनी चाहिए. जो राजाओं का भी राजा या किंग ऑफ किंग्स होता है वह सम्राट कहलाता है. सम्राट अशोक का नाम कौन नहीं जानता! वह भी मगध के थे जो आज बिहार कहलाता है. बिहार में फिर सम्राट का साम्राज्य स्थापित हो गया है. यह चमत्कार बीजेपी ने कर दिखाया. सुशासन बाबू नीतीशकुमार को पटना से दिल्ली खिसकाया और उनकी जगह सम्राट को सत्ता सिंहासन पर बिठाया.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, बीजेपी भारत के हिंदुत्व के इतिहास और सांस्कृतिक गौरव को हमेशा पूरा-पूरा महत्व देती है. सम्राट बनने के लिए पहले बहुत खटपट करनी पड़ती थी. इसके लिए अश्वमेध यज्ञ करना पड़ता था जिसमें एक सजाधजा अश्व या घोड़ा छोड़ दिया जाता था. उसके पीछे सेना चलती थी. वह जहां जाता था वहां के राजा को सम्राट की अधीनता स्वीकार करनी पड़ती थी. यदि किसी ने चुनौती देते हुए यज्ञ के अश्व को रोक लिया तो उसे युद्ध करना पड़ता था. भगवान राम और सम्राट युधिष्ठिर ने भी राजसूय यज्ञ किए थे.'

हमने कहा, 'अब सम्राट बने-बनाए या रेडीमेड मिल जाते हैं. इसके लिए कोई यज्ञ नहीं करना पड़ता. बीजेपी ने जिसे बिहार की बागडोर सौंपी है वह सिर्फ सम्राट नहीं बल्कि चौधरी भी है. इसका मतलब हुआ डबल इंजन सरकार का डबल पॉवर ! प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, असम सहित पूर्वोत्तर के 6 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी सरकार स्थापित कर ली है. अगला निशाना बंगाल, तमिलनाडु और केरलम है. अब एसआईआर का अश्व बीजेपी की दिग्विजय कराने के लिए बढ़ता चला जा रहा है. प्रियंका गांधी ने सच कहा कि यदि चाणक्य आज जिंदा होते तो बीजेपी की चाल देखकर चौंक जाते.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12233 - डॉ. सागर खादीवाला

1		2	■	3	4	■	5
	■	6				7	
8			■		■		■
	■	9	10		■	11	12
■	13			■	14		
15		■	16				■
17			■	■		■	18
19		■	20				

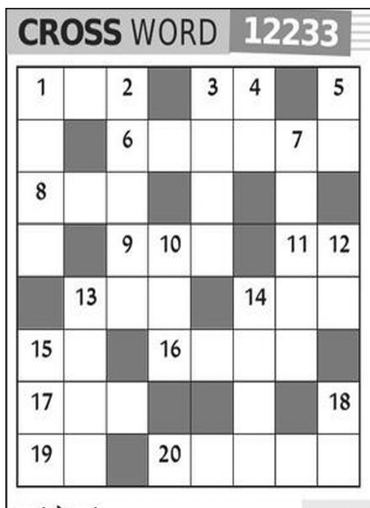

बाएं से दाएं
1. बीता हुआ, गत (सं.) 3. छोड़कर, बगैर 6. सशस्त्र, जो हथियार धारण किए हुए हो (उर्दू) 8. केवड़ा, एक फूल 9. विधि, राजनियम 11. नाखून 13. निरंतर, लगातार, सर्वदा 14. निवास स्थान, घर, मकान 15. सांस की एक बीमारी 16. नटकला में प्रवीण व्यक्ति, श्रीकृष्ण 17. बोलने में तेज, व्यर्थ बकने वाला 19. गीला, आर्द्र 20. कड़कड़ शब्द करना या होना

ऊपर से नीचे
1. बिना घर का, खानाबदोश (सं.) 2. किसी घटना की जांच, अनुसंधान (उर्दू) 3. उजाड़ जगह, जंगल 4. नारी, नाड़, गर्दन 5. ब्याज 7. तोरणद्वार पर डोरी से लटकाए हुए पत्ते आदि 10. नवीन, नया 12. गाडर नामक घास की सुगंधित जड़ जिसके गर्मियों में कमरे ठंडे करने के लिए पर्दे और टट्टियां बनती है 13. संवाद, खबर, हाल 14. जरूरी 15. स्याही रखने का छोटा पात्र 18. पीले रंग की मूल्यवान धातु

Solution 12232

रा	ज	प	त्रि	त	■	छ	त्ता
ह	रा	■	य	म	की	ट	■
गी	■	म	■	■	ना	प	ना
र	ज	त	पा	त्र	■	टा	ई
■	क	ल	म	■	बो	ना	■
में	■	बी	र	ब	ल	■	प
ढ	ब	■	■	स	चा	व	ट
क	री	ब	■	ना	ल	■	ल

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्त्री पक्ष से नवीन समाचारों की प्राप्ति होगी. सुख प्राप्त होगा. नवीन मित्र से भेंट होगी. व्यापार के क्षेत्र में यात्रा की रूपरेखा बनेगी. वर्ष के प्रारंभ में शासन सत्ता का लाभ प्राप्त होगा. शिक्षा में रूचि रहेगी. मित्रों एवं भाईयों के सहयोग से राजनीतिक लाभ प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना पडेगा. व्यर्थ के वाद विवाद एवं मतभेद बढेंगे.

मेष ओर वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा. शिक्षा में रूचि रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद हो सकता है. शिक्षा में व्यवधान के कारण मानसिक परेशानी होगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को मित्र एवं भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ होगा. व्यापार के क्षेत्र में यात्रा का योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्र से भेंट होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, एवं मिलनसार होगा, अपने कार्य में किसी का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा, सेवा की भावना इनमें अधिक होगी, इनका सादा और आदर्शवादी जीवन रहता है, माता पिता का आदर करते हैं.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल तृतीया चन्द्रवासरे दिन 10/38, कृतिका नक्षत्रे दिन 7/36, सौभाग्य योगे रात 7/38, गर करणे सू.उ. 5/38, सू.अ. 6/22, चन्द्रचार वृषभ, पर्व- वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, अक्षय तृतीया, शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक- 4, 6, 0.

मेष- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, व्यर्थ के तनाव मन पर प्रभावी रहेंगे, आय से अधिक धन व्यय होगा, सोचे हुये कार्य में बाधा आयेगी.

वृषभ- पुराने कष्टों को भूलकर वर्तमान को बेहतर बनायें, खरीदी पर विशेष खर्च होगा, पारिवारिक सुख और शांति रहेगी, व्यापार में लाभ होगा.

मिथुन- नई आकांक्षायें मन को उद्वेलित करेंगी, पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, आर्थिक चिन्ता रहेगी, पारिवारिक पीड़ा होगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

कर्क- जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है, नौकरी में वातावरण सुखद रहेगा, मान सम्मान मिलेगा, शत्रुओं की गतिविधियों पर सतर्कता व नियंत्रण रखें.

सिंह- छोटी सी बात से संबंधों में खटास आ सकती है, खर्च पर नियंत्रण रखें. वाहन आदि का प्रयोग करते समय सावधानी रखें. कार्यो में सफलता मिलेगी.

कन्या- लाभ के अच्छे अवसर सामने आयेंगे, पारिवारिक जबावदारी पूरी होगी, परीक्षा प्रतियोगिता में श्रम करने पर सफलता मिलेगी, अधिक विश्वास पीड़ादायक रहेगा.

तुला- परिवार में विरोध का सामना करना पड़ सकता है, भावुकता में निर्णय न लें, व्यवसायिक प्रयास सफल होंगे, विशिष्टजनों का सहयोग रहेगा.

वृश्चिक- मन धनलाभ की नई युक्तियों की ओर केन्द्रित रहेगा, कार्यक्षेत्र में सहकर्मी से मतभेद संभव, आलस्य त्याग करें, नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा.

धनु- मन पर नियंत्रण रखकर अपने कर्त्तव्यों की ओर ध्यान दें, थोड़ा संयमी व धैर्यवान रहें, नवीन कार्य बनेगा, खानपान पर संयम रखें.

मकर- नई सामाजिक व्यस्ततायें सामने आयेंगी, महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयास तीव्र होगा, आय से अधिक धन व्यय होगा, नई संपत्ति क्रय पर विचार होगा.

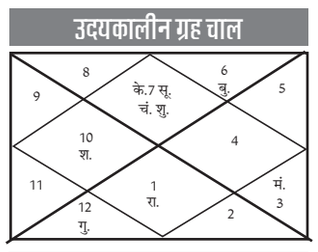

कुम्भ- धार्मिक एवं पारंपरिक कार्यों की ओर मन केंद्रित होगा, रोजगार के क्षेत्र में आपकी क्षमता का लाभ होगा, भाग्यवर्धक समाचार की प्राप्ति होगी.

मीन- राजकीय क्षेत्र में क्रियाशील रहेंगे, प्रियजनों का सानिध्य मिलेगा, नई सफलता के आसार बढ़ेंगे, पारिवारिक सुख और शांति रहेगी, मनोरंजक यात्रा संभाव्य.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल तृतीया को कृतिका नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, कपास के भाव में नरमी का रूख रहेगा, गुड़, खांड़, में समता रहेगी, गेहूँ, जौ, चना, मं मंदी रहेगी, जूटपाट बारदाना, के भाव में उठाव रहेगा,

SUDOKU 7365

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7364

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9